

**L/Sem II/162**

**LL.M. (One Year) (Semester II)  
Examination, 2015-16**

**Law**

**Optional Papers : 5. Criminal Law Group**

**Paper : LLME - 203**

**Prevention of Corruption**

**Time : Three Hours**

**Full Marks : 100**

*(Write your Roll No. at the top immediately on the receipt of this question paper)*

**Note:** Answer any **Four** questions. **All** questions carry equal marks.

किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. What are various factors responsible for rise of corruption? How can it be controlled ? Discuss in detail.

बढ़ते भ्रष्टाचार के विभिन्न कारक क्या हैं ? इसे कैसे नियंत्रित किया जा सकता है ? विस्तार से विवेचना कीजिए।

2. Corruption is a great threat for Indian Society. Critically examine the efficacy of various statutory provisions which have been made for the prevention of Corruption.

P.T.O.

भ्रष्टाचार भारतीय समाज के लिए एक गंभीर खतरा है। भ्रष्टाचार की रोकथाम के लिए बनाये गये विभिन्न संविधिक प्रावधानों की प्रभावशीलता का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए।

3. "No Court shall take Cognizance of an offence against public servant without previous sanction of the appropriate government." In the light of this statement discuss the investigation and trial procedure provided under the Prevention of Corruption Act, 1988.

कोई भी न्यायालय लोक सेवक के विरुद्ध अपराध का संज्ञान समुचित सरकार के पूर्व अनुमति के बिना नहीं करेगा। दस कथन के आलोक में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 के अन्तर्गत प्रावधानि अन्वेषण एवं विचरण की प्रक्रिया की विवेचना कीजिए।

4. In order to establish Corruption free society, In India various Non-governmental organisations have played vital role. Discuss with the help of important judicial pronouncement of the Indian Supreme Court.

भ्रष्टाचार मुक्त समाज की स्थापना के लिए भारत में विभिन्न गैरसरकारी संगठनों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभायी है। भारतीय उच्चतम न्यायालय के महत्वपूर्ण न्यायिक निर्णयों की सहायत से विवेचना कीजिए।

5. What is citizen charter? Do you think citizen charters of governmental organisation are effective tools in the hand of Indian citizen? Discuss it in detail.

सिटीजन चार्टर क्या है? क्या आप समझते हैं कि सरकारी संगठनों के सिटीजन चार्टर भारतीय नागरिकों के हाथ में प्रभावी साधन है ? विस्तार से विवेचना कीजिए।

6. What do you understand by the term Whistle blower? Discuss various safeguards provided for the protection of Whistle blower. Under the statute.

व्हीसिल ब्लोअर शब्द से आप क्या समझते हैं ? संविधि के अन्तर्गत व्हीसिल ब्लोअर के संरक्षण के लिए उपबंधित सुरक्षा उपायों की विवेचना कीजिए।

7. Write critical notes on any **two** of the following :  
निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर आलोचनात्मक टिप्पणी लिखिए :

(a) Money Laundering

मनी लॉन्ड्रिंग

(b) Central Vigilance Commission

केन्द्रीय सतर्कता आयोग

(c) United Nations Conventions on Corruption

भ्रष्टाचार पर संयुक्त राष्ट्र प्रसंविदा

8. "Corruption occurs into various forms such as bribery, fraud and cheating etc." How far The Right to Information Act, 2005 has been effective to reveal various cases of corruption in India ? Discuss in detail.

“भ्रष्टाचार रिश्वतखोरी, धोखाधड़ी एवं कपट जैसे विभिन्न रूपों में घटित होता है।” भारत में भ्रष्टाचार से सम्बन्धित मामलों का पर्दाफाश करने में सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 कहाँ तक प्रभावी रहा है ? इसकी विस्तार से विवेचना कीजिए।

**L/Sem II/157**

**LL.M. (One Year) (Semester II)  
Examination, 2015-16**

**Law**

**(Optional Papers:7. Personal Law Group)**

**Paper : LLMG-202**

**Law of Inheritance**

**Time : Three Hours**

**Full Marks : 100**

*(Write your Roll No. at the top immediately on the receipt of this question paper)*

**Note:** (i) Answer any **four** questions.

(ii) **All** questions carry equal marks.

किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. "Coparcenary of Mitakshara family has been one of important and foremost component of patriarchy. It has been diluted by passing Hindu Succession Act, 1956 and ultimately washed out by Hindu Succession (Amendment) Act 2005".

Critically examine the above statement and refer decided case also.

P.T.O.

“मिताक्षरा परिवार का सहायिकी पुरुषसत्तात्मक समाज का एक महत्वपूर्ण और सर्वश्रेष्ठ अंग हैं। इसे हिन्दू उत्तराधिकार अधिनियम, 1956 पारित करके हल्का किया गया हैं। तथा अन्ततः हिन्दू उत्तराधिकार (संशोधन) अधिनियम, 2005 द्वारा समाप्त कर दिया गया।”

उपरोक्त कथन का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए तथा निर्णीत वादों का सन्दर्भ भी दीजिए।

2. (a) A Hindu intestate leaving behind a brother, a sister and a son of his predeceased brother, How many his property devolve amongst these heirs.

एक हिन्दु निर्वसीयटी अपने पीछे एक भाई, एक बहन और मरे हुए एक भाई के पुत्र को छोड़ कर मर जाती हैं। उसकी सम्पत्ति इन उत्तराधिकारियों में कैसे निस्तारित होगी।

- (b) A Hindu female received a property from her brother through gift. How this property may devolve among her heirs after her death.

एक हिन्दू महिला एक सम्पत्ति अपने भाई से दान द्वारा प्राप्त करती हैं। उसकी मृत्यु के पश्चात् इस सम्पत्ति का निस्तारण उसके उत्तराधिकारियों से कैसे होगा।

3. Who are agnate and cognate? Discuss rules relating to distribution of properties among them.

गोत्रज एवम् बन्धु कौन हैं? इनके बीच सम्पत्तियों के विभाजन सम्बन्धी नियमों की विवेचना कीजिए।

4. Explain the term koranic heirs under Muslim law of inheritance what are their shares in property of deceased Muslim. Point out difference between sunni and shia law relating to koranic heirs.

मुस्लिम उत्तराधिकार विधि के अन्तर्गत कुरानिक उत्तराधिकारी प्रत्यय को स्पष्ट कीजिए। मुस्लिम मृतक की सम्पत्ति में इनके अंश क्या हैं। कुरानिक उत्तराधिकारियों के सम्बन्ध में सुन्नी और शिया विधि में विभेय इंगित कीजिए।

5. Explain followings with help of illustration.

उदाहरण की मदद से निम्नलिखित कों स्पष्ट कीजिए।

- (a) Doctrine of 'Aul' and 'Radd'.

‘ओल’ और ‘रद्द’ का सिद्धांत।

- (b) Rules of total and partial exclusion.

पूर्ण एवम् आंशिक अपवर्जन के नियम।

6. Discuss rules of succession of property of Indian christian intestate who has left behind 8 grand children born from 2 sons, mother, brother and sister.

भारतीय निर्वसीय क्रिश्चियन सम्पत्ति के उत्तराधिकार नियम की विवेचना कीजिए जिसने अपने पीछे दो पुत्रों से उत्पन्न आठ पौत्रों, माता, भाई तथा बहन को छोड़ जाया है।

7. Explain rule of succession among Parsi provided under Indian Succession Act 1925.

भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम 1925 के अन्तर्गत प्रदत्त पारसी उत्तराधिकार के नियम को स्पष्ट कीजिए।।

8. Write notes on any **two**.

किसी दो पर टिप्पणी लिखें।

- (a) Rule of Survivorship.

उत्तरजिविता का नियम।

- (b) Rule of Homicide in Shia and Sunni law.

शिया और सुन्नी विधि में मानववध के नियम।

- (c) Rule of succession of missing propoites

गायब निर्वसीय के उत्तराधिकार के नियम।

- (d) Preferential right of class I heirs of Hindu law.

हिन्दू विधि के प्रथम वर्ग के उत्तराधिकारियों के अधिमानी अधिकार।



**LL.M. (ONE YEAR) SEMESTER II EXAMINATION 2015-16**

**LAW**

*(Optional Paper : 5.Criminal Law Group)*

**LLME - 202 : International Criminal Law**

**Time : Three hours**

**Max. Marks : 100**

*(WRITE YOUR ROLL NO. AT THE TOP IMMEDIATELY ON THE RECEIPT OF THIS QUESTION PAPER)*

**NOTE : ANSWER ANY FOUR QUESTIONS. ALL QUESTIONS CARRY EQUAL MARKS.**

किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिये। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. The definition of crime of aggression is inadequate and should be re-considered in order to include non-state actors as possible perpetrators of crime of aggression. How far do you agree with this statement?  
'आक्रमकता' के अपराध की परिभाषा अपूर्ण है और नॉन स्टेट एक्टर्स को 'आक्रमकता' के अपराध के संभावित अपराधी के रूप में सम्मिलित करने हेतु इस पर पुनर्विचार किया जाना चाहिये। आप इस कथन से कहाँ तक सहमत हैं?
2. The establishment of the International Criminal Court represents a giant step forward in the evolution of International Criminal Law, though this evolution is by no means complete. Discuss.  
अन्तर्राष्ट्रीय अपराध न्यायालय की स्थापना अन्तर्राष्ट्रीय अपराधिक विधि के विकास में एक असाधारण कदम था। यद्यपि कि यह विकास किसी भी तरह से पूर्ण नहीं है। विवेचना कीजिये।
3. Discuss the development of legal prohibition against Genocide. Also discuss the elements of genocide as specified under Article 6 of the International Criminal Court statute.  
नरसंहार के विरुद्ध विधिक प्रतिषेध के विकास की विवेचना कीजिये। अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्यायालय संविधि के अनुच्छेद 6 में विनिहित नरसंहार के तत्वों की विवेचना भी कीजिये।
4. Discuss with the help of major cases of ICTY & ICTR to include rape as a crime against humanity.  
प्रमुख वादों की सहायता से आई०सी०टी०वाई० और आई०सी०टी०आर० द्वारा बलातसंग को मानवता के विरुद्ध अपराध में सम्मिलित करने हेतु किये गये प्रयासों की विवेचना कीजिये।
5. Discuss the sources of International Criminal Law.  
अन्तर्राष्ट्रीय अपराधिक विधि के स्रोतों की विवेचना कीजिये।
6. Critically examine the efforts made by International Community in combating the evil of terrorism.  
आतंकवाद की बुराई को समाप्त करने के लिये अन्तर्राष्ट्रीय समुदाय के प्रयासों की विवेचना कीजिये।

7. Write critical notes on any **two** of the following :

निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर आलोचनात्मक टिप्पणियाँ लिखिये :

- a) Crime against Humanity  
मानवता के विरुद्ध अपराध
- b) Torture  
प्रताड़ना
- c) Categories of War Crimes  
युद्ध अपराध के प्रकार

8. "A human rights violation is now conceived as a violation not only of those personally and directly aggrieved but of everybody." Examine critically the above statement with reference to present scenario of our country and rest of the World.

“अब मानवाधिकार के उल्लंघन को न केवल व्यक्ति के व्यक्तिगत रूप से और सीधे उल्लंघन के रूप में बल्कि प्रत्येक व्यक्ति के उल्लंघन के रूप में समझा जाता है।” हमारे देश और बाकी विश्व के वर्तमान परदृश्य का हवाला देते हुये उपरोक्त कथन का समालोचनात्मक परीक्षण कीजिये।

\*\*\*\*\*

**LL.M. (ONE YEAR) SEMESTER II EXAMINATION 2015-16**

**LAW**

**(Optional Paper : 5.Criminal Law Group)**

**LLME - 201 : Penology and Victimology**

**Time : Three hours**

**Max. Marks : 100**

**(WRITE YOUR ROLL NO. AT THE TOP IMMEDIATELY ON THE RECEIPT OF THIS QUESTION PAPER)**

**NOTE : ANSWER ANY FOUR QUESTIONS. ALL QUESTIONS CARRY EQUAL MARKS.**

कन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिये। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. While defining punishment discuss the standard and substandard cases of punishment.  
दण्ड को परिभाषित करते हुये दण्ड के मानक एवं उपमानक मामलों की विवेचना कीजिये।
2. "The forms of punishment are motivated from merely punitive to reformatory dimension." In the light of this statement discuss the various forms of punishment from ancient to modern period.  
"दण्ड के स्वरूप केवल दण्डिक से सुधारात्मक दिशा की ओर प्रेरित हुये हैं।" इस कथन के प्रकाश में प्राचीन काल से आधुनिक काल तक दण्ड के विभिन्न स्वरूपों की विवेचना कीजिये।
3. Discuss in detail the Reformatory theory of punishment with the help of suitable case law.  
दण्ड के सुधारात्मक सिद्धान्त की उपयुक्तवाद विनिश्चयों के माध्यम से विस्तार से विवेचना कीजिये।
4. "Debated, delayed but denied : These are the words used for Death Sentence in India." In the light of this statement discuss the existing position of death sentence in India.  
"बहस किया गया, विलम्बित किया गया फिर भी समाप्त करना अस्वीकार किया गया।" इस कथन के आलोक में भारत में मृत्यु-दण्ड की वर्तमान स्थिति की विवेचना कीजिये।
5. "Reform in Jail is too important to neglect and too urgent to delay." In the light of this statement discuss in detail the efforts made for Jail Reform.  
"जेल में सुधार इतना महत्वपूर्ण है कि उसकी अनदेखी नहीं की जा सकती और इतना अनिवार्य है कि उसको विलम्बित नहीं किया जा सकता।" इस कथन के आलोक में जेल-सुधार के लिये किये गये प्रयासों की विवेचना कीजिये।
6. What do you mean by the term "Victimology"? Discuss the theories of Victimology in detail.  
"पीड़ितशास्त्र" से आप क्या समझते हैं? पीड़ितशास्त्र के सिद्धान्तों की विस्तार से विवेचना कीजिये।
7. Discuss the Judicial trend on Probation of Offenders and Release of prisoners on parole.  
अपराधियों की परीक्षा एवं कैदियों के परोल पर छोड़े जाने के सम्बन्ध में न्यायिक दृष्टिकोण की विवेचना कीजिये।
8. Write critical notes on any two of the following :  
निम्नलिखित में से कन्हीं दो पर आलोचनात्मक टिप्पणियाँ लिखिये :
  - a) Deterrent theory of punishment  
दण्ड का भयकारी सिद्धान्त
  - b) Rights of Prisoners  
कैदियों के अधिकार
  - c) Co-relation between Criminology and Penology  
अपराधशास्त्र एवं दण्डशास्त्र में सह-सम्बन्ध



Roll No. ....

**LL.M. (ONE YEAR) SEMESTER II EXAMINATION 2015-16****LAW****(Compulsory Paper)****LLM - 201 : Comparative Law****Time : Three hours****Max. Marks : 100****(WRITE YOUR ROLL NO. AT THE TOP IMMEDIATELY ON THE RECEIPT OF THIS QUESTION PAPER)****NOTE : ANSWER ANY FOUR QUESTIONS. ALL QUESTIONS CARRY EQUAL MARKS.**किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिये। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. "The Supreme Court of India was established with great expectations as a watch dog of democracy and Rule of law."  
In the light of above discuss the law relating to judicial review.  
"सर्वोच्च न्यायालय की स्थापना लोकतंत्र तथा विधिशासन के प्रहरी के रूप में बड़ी प्रत्याशा के साथ किया गया।" उक्त के आलोक में न्यायिक पुनर्विलोकन संबंधी विधि की विवेचना कीजिये।
2. "Comparative law is neither professional tool nor academic toy. It has a higher purpose of providing insight into the social purpose of law and evolving a better science of law."  
In the light of above discuss the contemporary significance of comparative law.  
"तुलनात्मक विधि न तो व्यावसायिक अस्त्र है न ही शैक्षणिक खिलौना है। इसका उद्देश्य विधि के सामाजिक उद्देश्य को अंतर्दृष्टि प्रदान करना तथा बेहतर विधि के विज्ञान को विकसित करना है।" उक्त के आलोक में तुलनात्मक विधि के समकालिक महत्व की विवेचना कीजिये।
3. What do you mean by Concept of Federalism? Establish relationship between Federalism, Federative system and Federations. Also make a comparative study of Federalism in different Countries.  
संघवाद की अवधारणा से आप क्या समझते हैं? संघवाद, संघीय व्यवस्था तथा संघों के बीच संबंध स्थापित कीजिये। विभिन्न देशों में संघवाद का तुलनात्मक अध्ययन भी कीजिये।
4. "The Constitution of India is neither purely federal nor purely unitary. It enshrines the principle that inspite of federalism the national interest ought to be paramount." Critically analyse the statement.  
"भारत का संविधान न तो शुद्ध संघात्मक है न ही शुद्ध एकात्मक। यह इस सिद्धांत को पोषित करता है कि संघवाद के बावजूद, राष्ट्रीय हित सर्वोपरि होना चाहिये।" इस कथन का आलोचनात्मक विश्लेषण कीजिये।
5. "Law is a social auditor and this audit function can be put into action only when some one with real public interest ignites the jurisdiction of Courts." In this backdrop discuss the main features and characteristics of P.I.L.  
"विधि सामाजिक अंकेक्षक है और उसका अंकेक्षक कार्य तभी कार्यशील होगा जब कोई व्यक्ति वास्तविक लोकहित में न्यायालय के क्षेत्राधिकार को प्रज्ज्वलित करेगा।" इस पृष्ठभूमि में पी०आई०एल० के मुख्य गुणों एवं विशेषताओं की विवेचना कीजिये।

**P.T.O.**

6. Distinguish between the following :  
निम्नलिखित में अन्तर बतलाइये :

- a) Public Law and Private Law  
लोक विधि तथा वैयक्तिक विधि
- b) Constitution and Constitutionalism  
संविधान तथा संविधानवाद

7. Discuss the doctrine of Rule of Law propounded by Dicey. Explain the main features of the Rule of Law.

डाइसी द्वारा प्रतिपादित विधि के शासन सिद्धान्त की विवेचना कीजिये। विधि के शासन के प्रमुख विशेषताओं की व्याख्या कीजिये।

8. Write critical notes on any two of the following :  
निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर आलोचनात्मक टिप्पणियाँ लिखिये :

- a) Judicial accountability  
न्यायिक दायित्व
- b) Separation of powers  
शक्ति विभाजन
- c) Competitive and co-operative federalism  
प्रतिस्पर्धात्मक तथा सहयोगात्मक संघवाद

\*\*\*\*\*

Roll No. ....

**LL.M. (ONE YEAR) SEMESTER II EXAMINATION 2015-16****LAW***(Optional Papers : 7 .Personal Law Group )***Paper : Protection of Rights of Children****Time : Three hours****Max. Marks : 100***(WRITE YOUR ROLL NO. AT THE TOP IMMEDIATELY ON THE RECEIPT OF THIS QUESTION PAPER)***NOTE : ANSWER ANY FOUR QUESTIONS. ALL QUESTIONS CARRY EQUAL MARKS.**किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिये। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. "The treatment of Juvenile offenders must be different from adults one." Discuss and evaluate this statement with the help of important provisions of juvenile justice (Care and Protection) Act, 2015.  
"किशोर अपराधियों को प्रौढ़ की अपेक्षा भिन्न उपचार की आवश्यकता होती है।" किशोर न्याय (देख-भाल एवं संरक्षण) अधिनियम २०१५ के महत्वपूर्ण उपबन्धों की सहायता से इस कथन का मूल्यांकन एवं विवेचना कीजिये।
2. "The child must be protected from all forms of sexual exploitation and abuse." Discuss the provisions of the Protection of Children from Sexual Offences Act, 2012.  
"बालक का सभी प्रकार के लैंगिक शोषण एवं दुरुपयोग से संरक्षित होना आवश्यक है।" यौन अपराध से बच्चों का संरक्षण अधिनियम २०१२ के प्रावधानों की विवेचना कीजिये।
3. United Nations Declaration on the Rights of the Child, 1959 paved way for the United Nations Convention on the Rights of the Child, 1989. In the light of this statement discuss the principles, legal aspect and importance of the UN declaration on the Rights of the Child, 1959.  
संयुक्त राष्ट्र बालाधिकार घोषणापत्र, १९५९ ने संयुक्त राष्ट्र बालाधिकार अभिसमय, १९८९ हेतु मार्ग प्रशस्त किया। इस कथन के आलोक में १९५९ के संयुक्त राष्ट्र घोषणापत्र के सिद्धान्तों, विधिक पहलू एवं महत्व की विवेचना कीजिये।
4. Discuss various Constitutional Safeguards for the protection and growth of the Child.  
बालक की सुरक्षा एवं उन्नति के विभिन्न संवैधानिक संरक्षण की विवेचना कीजिये।
5. "Child below the age of 14 years shall not be employed in hazardous employment." In the light of Supreme Court decisions discuss the above statement.  
"१४ वर्ष से कम आयु के बच्चे को जोखिम वाले नियोजन में नहीं लगाया जायेगा।" उच्चतम न्यायालय के निर्णय के आलोक में उपरोक्त कथन की व्याख्या कीजिये।
6. Write an essay on the prohibition of Child Marriage Act, 2006.  
बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, २००६ पर एक निबन्ध लिखिये।

7. Examine the Constitutional Validity of Right of Children to Free and Compulsory Education Act, 2009. Refer to decided cases.  
बच्चों के निःशुल्क तथा अनिवार्य शिक्षा अधिनियम २००९ के अधिकारों की संवैधानिक वैधता की व्याख्या कीजिये। निर्णीत वादों का संदर्भ दीजिये।
8. Write short notes on any **two** of the following :  
निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिये :
- Child Labour (Protection & Regulation) Act, 1986  
बाल श्रम संरक्षण एवं विनियमन अधिनियम, १९८६
  - Child in need of Care and Protection  
देख-भाल एवं संरक्षण की आवश्यकता में बालक
  - International Perspective on Right to Education  
शिक्षा के अधिकार पर अन्तराष्ट्रीय दृष्टिकोण

\*\*\*\*\*